अस्पताल जाते अब बच्चों को नहीं लगेगा डर

चाइल्ड फ्रेंडली नवाचारों से खिल उठा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

उदयपुर, २१ जनवरी। नगर निगम द्वारा इकली साउथ एशिया एवं इकोरस इंडिया की तकनीकी साझेदारी में बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन के सहयोग से संचालित अर्बन95 प्रोग्राम के अंतर्गत सेक्टर ११ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुए विभिन्न नवाचारों का उद्घाटन जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शंकर बामनिया एवं निगम उपायुक्त रागिनी डामोर के हाथों हुआ।

इस अवसर पर जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बामनिया ने निगम और बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि अर्बन95 एक अच्छी पहल है, जहाँ शहर को बच्चों के नज़रिए से तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आते समय छोटे बच्चों में एक अनजाना डर होता है। इस डर के चलते बच्चे इन स्थानों पर अधिक समय नहीं बिता पाते या उपलब्ध सेवाओं का लाभ नहीं ले पाते। ऐसे में बच्चों के नज़रिए से डिजाइन किये गए इन स्थानों से निश्चित ही उनका भय ख़त्म होगा और वे तथा उनके अभिभावक इन सेवाओं का अच्छे से लाभ ले पाएंगे। केन्द्रों में बच्चों के लिए डेडिकेटेड ज़ोन बनाना एक अच्छा प्रयास है।

उन्होंने कहा कि इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को चाइल्ड फ्रेंडली बनाने के बाद यहाँ के अनुभवों को चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी लागू करवाने के प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने इसके लिए निगम और बीवीएलएफ का आभार प्रकट किया।

निगम उपायुक्त रागिनी डामोर ने कहा कि बच्चों से जुड़े स्थानों को अगर बच्चों की रूचि के अनुसार तैयार किया जाए तो वे ज़रूर वहां जाना पसंद करेंगे, इसी थीम को ध्यान में रखते हुए निगम द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, पार्क आदि को

तैयार किया जा रहा है, ताकि बच्चे अपने अभिभावकों के साथ घर से बाहर समय बिता सके। भविष्य में अर्बन95 के अंतर्गत शहर के अन्य अस्पतालों, आंगनवाडी केन्द्रों और पार्कों को भी इसी नज़रिए से विकसित किया जायेगा, ताकि बच्चे मोबाइल फोन और टीवी छोड़कर बाहर अपने हमउम्र बच्चों के साथ समय बिता सके।

इस अवसर पर बर्नार्ड वेन लीयर फाउंडेशन की इण्डिया प्रतिनिधि रुश्दा मजीद ने कहा कि किसी शहर को सुरक्षित बनाना है तो उसे बच्चों की नज़र से देखना आवश्यक है। निगम और बीवीएलएफ का यह प्रयास सराहनीय है, जहाँ छोटे बच्चों के लिए इस प्रकार के आयोजन किये जा रहे हैं। अर्बन95 एक वैश्विक प्रयास है, जो दुनिया को बच्चों के लिए सहज, सुन्दर और सुरक्षित बना रही है।

अर्बन95 टीम के युगल टांक और ओमप्रकाश ने अतिथियों को पूरे स्वास्थ्य केंद्र की विजिट करवाई और उन्हें विभिन्न नवाचारों के उद्देश्यों के बारे में बताया। इस दौरान अतिथियों ने फ्लोर पर पेंट किये विभिन्न खेलों और आकृतियों, स्तनपान कक्ष, सेल्फी पॉइंट और टीकाकरण कक्ष में टीकों की रेलगाड़ी को ख़ासा पसंद किया।

इस से पूर्व अर्बन95 के परियोजना प्रबंधक अमित उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए परियोजना का परिचय दिया। उन्होंने अर्बन95 के अंतर्गत चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शहर को बच्चों के लिए बेहतर बनाने के लिए आज के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक तकनीकों और प्रक्रियाओं का उपयोग करते हुए फोकस्ड अप्रोच के साथ आगे बढ़ना होगा ताकि उसके दूरगामी परिणाम हासिल हो सके। उन्होंने स्थान चयन में समुदाय सहभागिता की भी पैरवी की।

इस अवसर स्थानीय पार्षद चन्द्रकला बोल्या, निगम चीफ इंजीनियर मुकेश पुजारी, शशि बाला, स्वास्थ्य जिला कार्यक्रम अधिकारी वैभव, स्थानीय मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रेरणा, अर्बन95 टीम से युगल, अब्बास, ओम, राहुल, भूपेन्द्र सहित क्षेत्र के आशा, एएनएम, बच्चे और उनके अभिभावक आदि मौजूद रहे।

क्या है चाइल्ड फ्रेंडली मॉडल:

अर्बन95 प्रोग्राम का थीम एक ९५ सेंटीमीटर के बच्चे (अर्थात ३ साल का बच्चा) की नज़र से शहर के ढांचागत विकास को देखना है। इसी सोच को केंद्र में रखते हुए बच्चों से सम्बद्ध स्थान जैसे आंगनवाडी केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पार्क, सडकें, मोहल्ले आदि को बच्चों के लिए सुरक्षित, सहज, सुगम और रोचक बनाने के लिए अर्बन95 टीम कई नवाचार कर रही है।

इसी क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर वेटिंग एरिया को बच्चों के लिए आरामदायक बनाने, बच्चों के लिए डेडिकेटेड प्ले एरिया बनाने, दीवारों, फर्श पर चाइल्ड फ्रेंडली पेंटिंग, स्तनपान और टीकाकरण कक्ष को बेहतर बनाने, व्यवस्थित पार्किंग, बच्चों और उनके अभिभावकों की सुरक्षा के लिए प्रयास आदि के उद्देश्य से केंद्र को री-डिजाइन किया गया है।

क्या है अर्बन95 प्रोग्राम

अर्बन95 २०१६ में बर्नार्ड वैन लीयर फाउंडेशन द्वारा छोटे बच्चों के जीवन को आकार देने वाले परिदृश्य और अवसरों को बदलने में मदद करने के लिए आरम्भ की गई एक पहल है। इस पहल के केंद्र में यह प्रश्न है "यदि आप ९५ सेमी से शहर का अनुभव कर सकते हैं, तो आप क्या बदलेंगे?" शहर के नेताओं, योजनाकारों, आर्किटेक्ट्स और इनोवेटर्स के साथ काम करते हुए, अर्बन95 इस परिप्रेक्ष्य को दुनिया भर के शहरों में डिजाइन निर्णयों के केंद्र में लाने में मदद कर रहा है।

फोटो: (बायें से) भूपेन्द्र सालोदिया, युगल टांक, राहुल राठी, ओमप्रकाश (सभी इकली साउथ एशिया), अमित उपाध्याय (बीवीएलएफ), करनेश माथुर (असिस्टेंट इंजीनियर, निगम), रागिनी डामोर (उपायुक्त), चन्द्रकला बोल्या (पार्षद), दीपक बोल्या (समाजसेवी), मुकेश पुजारी (चीफ इंजीनियर), डॉ. शंकर बामनिया (मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी), देवेन्द्र (पार्षद), डॉ. प्रेरणा (मेडिकल ऑफिसर), अब्बास कीकाली, शशिबाला (एक्सिक्यूटिव इंजीनियर, निगम) एवं अखिलेश टांक (सिटी कोर्डिनेटर, बीवीएलएफ)